

आतिथेय पुं. (तत्.) 1. अतिथि का सत्कार करने वाला मेजबान 2. अतिथि के सत्कार के लिए प्रस्तुत भोजन या अन्य सेवा।

आतिथेयातिथि पुं. (तत्.) [आतिथेय+अतिथि] मेजबान और मेहमान, आतिथेय और अतिथि।

आतिथेयी स्त्री. (तत्.) अतिथि सत्कार करने वाली महिला।

आतिथ्य पुं. (तत्.) अतिथि-सत्कार, आवभगत, मेहमानदारी वि. (तत्.) अतिथि के लिए उपयुक्त, अतिथिसेवा-परायण।

आतिथ्य सत्कार पुं. (तत्.) अतिथि का स्वागत और सेवा, मेहमाननवाज़ी, आवभगत।

आतिदेशिक वि. (तत्.) संस्कृत व्याकरण के ऐसे सूत्र जो अपने विषय के अतिरिक्त अन्य समान विषयों पर भी लागू होते हैं।

आतिरेक्य पुं. (तत्.) 1. सामान्य की अपेक्षा अत्यधिक मात्रा में होने की स्थिति, अतिशयता 2. फालतू होना।

आतिवाहिक वि. (तत्.) 1. आत्मा को एक लोक से दूसरे लोक में पहुँचाने वाला 2. आत्मा को शरीर से अलग कर के दूसरे शरीर में पहुँचाने वाला पुं. सूक्ष्म शरीर।

आतिश स्त्री. (फा.) दे. आतश।

आतिशपरस्त वि. (फा.) [आतिश+परस्त] अग्नि की पूजा करने वाला 1. ईरान देश के पुरातन कालीन निवासी, पारसी पुं. (फा.) पारसी व्यक्ति या समाज।

आतिशबाज़ पुं. (फा.) [आतिश+बाज़] 1. पटाखे, फुलझड़ी, बम आदि बनाने वाला 2. पटाखे, फुलझड़ी, बम आदि छोड़ने वाला।

आतिशबाजी स्त्री. (फा.) दे. आतशबाजी।

आतिशयिक वि. (तत्.) जिसकी अतिशयता हो गई हो, जो अत्यधिक हो गया हो।

आतिशय्य पुं. (तत्.) अतिशयता, बहुतायत, अति आधिक्य।

आतिशी वि. (फा.) 1. अग्नि संबंधी 2. अग्नि जैसे रंग का।

आतिशी शीश पुं. (फा.) भौ. उत्तल शीशा, इस शीशे से सूर्य की किरणों को समेकित कर अग्नि उत्पन्न की जा सकती है।

आतीपाती स्त्री. (देश.) लुका-छिपी का खेल।

आतुर वि. (तत्.) 1. अस्वस्थ, रोगी, बीमार 2. व्याकुल, व्यग्र, उत्सुक 3. अधीर, उद्विग्न, बेचैन प्रयो. अपरिपक्व मस्तिष्क छोटी-छोटी समस्याओं के आने पर भी आतुर हो जाता है क्रि.वि. शीघ्र-जल्दी।

आतुरता/आतुरताई/आतुरी स्त्री. (तत्.) 1. घबराहट, बेचैनी, व्यग्रता, व्याकुलता 2. जल्दबाजी, शीघ्रता, उतावलापन।

आतुरशाला स्त्री. (तत्.) [आतुर+शाला] चिकित्सालय, अस्पताल। dispensary

आतुर-संन्यास पुं. (तत्.) चिर रोगी अथवा मरणासन्न व्यक्ति का शीघ्रता से संन्यास आश्रम में प्रवेश।

आतुराना अ.क्रि. (देश.) उतावला होना, आतुर होना स.क्रि. उतावला बनाना, आतुर बनाना।

आतुरालय पुं. (तत्.) आतुरशाला, चिकित्सालय, अस्पताल। dispensary

आतुरित वि. (तत्.) आतुर किया हुआ।

आतुरी स्त्री. (तत्.) दे. आतरुता।

आतृप्त वि. (तत्.) अच्छी तरह तृप्त।

आतोद्य पुं. (तत्.) संगीत में काम आने वाला एक प्रकार का वाद्य यंत्र, बाजा।

आत्त पुं. (तत्.) 1. लिया हुआ, प्राप्त, गृहीत 2. स्वीकृत 3. आकृष्ट 4. दूर किया हुआ, हटाया हुआ। 5. पराजित।

आत्तगर्व वि. (तत्.) जिस का गर्व तोड़ा गया हो, अपमानित, बेइज़्ज़त।

आत्मंभरि वि. (तत्.) 1. अपना ही पेट पालने वाला 2. खुदगर्ज।